Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न–पत्र : तृतीय
वेदान्त मीमांसा – तृतीय

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्तानुसार सूक्ष्मशरीर के द्वारा जीवात्मा के संसरण का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
2. पतित ऊर्ध्वरिता के सन्दर्भ में वेदान्तमत का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
3. मीमांसा दर्शन के अनुसार शाब्दी भावना तथा आर्थी भावना का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
4. इष्टादि कर्म न करने वाले जीवों का संसरण किस प्रकार होता है? प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
5. वेदान्तानुसार सभी अध्यात्म ग्रन्थों में प्रतिपादित उपासना पद्धतियों के एकत्व का निरुपण करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. मीमांसा के अनुसार मन्त्र के स्वरूप एवं प्रयोजन का उल्लेख करें।
2. "बहिस्तूभयथापि स्मृतेराचाराच्च" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
3. "एष सोमो राजा तद्देवानामन्नं" इस श्रुति में जीवात्मा को देवताओं का अन्न कहा गया है जबकि जीवात्मा नित्य एवं अविनाशी है? सप्रमाण समाधान करें।
4. सुषप्ति में परामात्मा से अविभाग को प्राप्त जीवात्मा का ही जाग्रत काल में बोध होता है। प्रमाणपूर्वक समझाइए।
5. सुषुप्त्यावस्था में अनुभूयमान जगत के सन्दर्भ में महर्षि वेदव्यास के मत को प्रस्तुत करें।
6. मीमांसा दर्शन के अनुसार अर्थवाद क्या है? संक्षेप में लिखें।
7. "एवं मक्तिफलानियमस्तदवस्थाधृतेः" इस सूत्र का अर्थ स्पष्ट करें।

----------x----------